

**Title:** Regarding deplorable conditions of the farmers in U.P. and some other states.

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :** अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़े ही अफसोस के साथ किसानों की पैदावार के साथ हो रही लूट के संबंध में पुनः आपके समक्ष सदन का ध्यान आकर्षित करना पड़ रहा है। इस संबंध में पिछले सत्र में भी सभी दलों के नेताओं और सत्ता पक्ष के लोगों ने भी चिन्ता व्यक्त की थी कि किसानों की पैदावार की लूट हो रही है। मैं इस संबंध में कोई भूमिका नहीं बांधना चाहता हूँ लेकिन आज किसानों का धान 350 रुपये से 370 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है ₹। (व्यवधान)

**MR. SPEAKER:** Back benchers, please have order in the House.

**श्री मुलायम सिंह यादव :** जबकि सरकार ने धान का दाम 530 रुपये प्रति क्विंटल रखा है। उन्हें 370 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य मिल रहा है। इस तरह से किसानों को 150 रुपये से लेकर 180 रुपये प्रति क्विंटल का घाटा हो रहा है।

इसी तरह से बाजरा और मक्का में भी करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल का घाटा हुआ है। यही आज गन्ना किसानों की हालत है। दूसरी तरफ सरकार कहती है कि इतने टन धान खरीदा गया, जबकि एक टन भी धान किसान से नहीं खरीदा गया। इसलिए हम इस बात को जोरदार, सही तरीके से और प्रामाणिकता के साथ कहना चाहते हैं कि जहां के हम निवासी हैं, वहां के आसपास एक टन भी धान नहीं खरीदा गया। कोई मंत्री या संसदीय कार्य मंत्री साबित कर दें कि सरकारी क्रय केन्द्रों पर वहां एक टन भी धान खरीदा गया हो। हम स्वयं अपने गांव की बात कह रहे हैं। एक टन की बात छोड़ो, सौ किलो या पचास किलो भी हमारा धान नहीं खरीदा गया। हमारे धान को ही जब 360 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिला है तो जो आम, साधारण और गरीब किसान है, जिनका कोई पक्षधर नहीं है, जो किसी को नहीं जानते हैं, उनकी क्या हालत है। जिन किसानों के द्वारा 10-15 रुपये बैलगाड़ी पर किसी दलाल को दे दिया जाता है, उन्हें शायद 350 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिल जाता है। वरना गरीब किसान एक हफ्ते से खड़ा है और बैलगाड़ी भी खड़ी है। किसान अपने धान को छोड़ने और आत्महत्या करने के लिए तैयार है।

**12.27 hours (Mr. Deputy-Speaker in the Chair)**

उपाध्यक्ष महोदय, इस मौके पर उसे बिजली चाहिए, पानी चाहिए और खाद भी चाहिए। खाद के लिए किसान के पास पैसा नहीं है। वह बिजली के बिलों का भुगतान नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण अगली फसल के लिए उसे पानी नहीं मिल रहा है, जिसके कारण वह अगली फसल की तैयारी नहीं कर पा रहा है, वह खाद भी नहीं खरीद सकता है। दूसरे जिन किसानों ने कर्जा लिया है, उन्हें तहसीलों में बंद किया जा रहा है। इस तरह से आज किसानों की लूट हो रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी तरफ आप देखें कि अयोध्या या ताजमहल में जबरदस्ती प्रवेश करने के पीछे यही मंशा है कि किसानों की पैदावार की लूट का कोई सवाल न उठा सके और पूरी जनता का ध्यान दंगे की तरफ आकर्षित हो जाए। इनकी दंगा कराने की पूरी साजिश है। अभी गोंडा में यही साजिश की गई कि किसी तरह से दंगा हो, आगजनी हो। वहां दुकानें लूटी गईं। लेकिन मैं बधाई देना चाहता हूँ कि वहां सबसे ज्यादा हिंदू सम्प्रदाय के लोगों ने इसका घूम-घूम कर विरोध किया जिसके कारण यह वहां दंगा नहीं करा पाये ₹। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, अभी दोहा में सम्मेलन हुआ। हिंदुस्तान की चीनी, गेहूँ और धान को कोई देश खरीदने के लिए तैयार नहीं है। ईरान ने भी कह दिया है कि यह घटिया है, रद्दी है। बंगलादेश, नेपाल या दक्षिण अफ्रीका भी हमारे खाद्यान्न को खरीद सकते थे, लेकिन वे भी नहीं खरीदेंगे, क्योंकि यह घोषित कर दिया गया है कि हिन्दुस्तान का अन्न घटिया है और ईरान ने भी उसे खरीदने से मना कर दिया है। आज गोदाम भरे पड़े हैं। भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में रखा चावल और गेहूँ सड़ रहा है। 35 % चावल और गेहूँ बर्बाद हो गया है, लेकिन भूखे लोगों को नहीं दिया जा रहा। इधर भुखमरी है, किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं, किसानों की पैदावार की लूट हो रही है। केवल अमानवीय एवं संवेदनहीन सरकार ही ऐसा कर सकती है। इस पर एक बार नहीं अनेकों बार चर्चाएं हुई हैं। किसानों को इस एक साल के अन्दर उत्तर प्रदेश में लगभग 15000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। आपने जिन सबों की मदद की है उन्होंने अच्छा काम किया है, इसीलिए हम चाहते हैं कि उन्हें और मदद देनी चाहिए और उत्तर प्रदेश के किसानों को जो घाटा हुआ है, उसके लिए उन्हें तत्काल 15000 करोड़ रुपये देने चाहिए तथा इस मामले पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए जिससे कि सदन के सारे नेताओं के विचार सामने आ सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी तरफ जो इनका निशाना दंगा कराना है, अयोध्या में जबरदस्ती प्रवेश कर जाना ₹। (व्यवधान) मैं पूरे देश की बात कर रहा हूँ, मैंने कहा था कि कुछ सबों में आपने मदद की है, इसलिए शांति प्रभावित प्रदेशों की भी मदद करनी चाहिए। केरल और तमिलनाडु की भी मदद करनी चाहिए, बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के किसानों की मदद करनी चाहिए और वह इसलिए करनी चाहिए क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था किसानों पर टिकी हुई है। आप अन्तरराष्ट्रीय बाजार संकट का मुकाबला नहीं कर सकते, आप वहां पर आत्म-समर्पण करेंगे। यह सही है कि हमारे विदेश मंत्री जी ने कुछ हिम्मत की थी।

लेकिन दिल्ली के निर्देश से घुटने टेकने पड़े और दस्तखत करने पड़े। नतीजा यह हुआ कि आज किसान की पैदावार की लूट हो रही है और दूसरी तरफ अयोध्या और ताजमहल में जबरदस्ती प्रवेश करके दंगा करवाने की साजिश हो रही है। इनका केवल एक ही निशाना है। ₹। (व्यवधान)

**श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) :** उपाध्यक्ष महोदय, मुलायम सिंह जी गलत कहानी कह रहे हैं। ताजमहल को इसमें न जोड़ें, वहां कोई दंगा नहीं हुआ। ₹। (व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव :** इनका केवल एक निशाना है कि ये चुनाव हार रहे हैं उत्तर प्रदेश में। कई मतदाता सूचियों में गड़बड़ हो रही है। इनका केवल एक निशाना है उत्तर प्रदेश के चुनाव जीतना। ये परेशान हैं। प्रधान मंत्री, गृह मंत्री, मुख्य मंत्री तीनों परेशान हैं कि उत्तर प्रदेश के चुनाव के बाद हमारा क्या होगा। इसलिए हम आपसे अपील करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि सारा कामकाज रोककर इस पर चर्चा करनी चाहिए और उत्तर प्रदेश के किसानों को जो घाटा हुआ है उसको पूरा करने के लिए 15000 करोड़ रुपये का मुआवजा देना चाहिए।

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) :** उपाध्यक्ष महोदय, यह हमारा कार्य स्थगन प्रस्ताव है।

**श्री शिवराज जी.पाटील (लातूर) :** उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया गया है और इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। एक तरफ किसान अनाज पैदा करता है और उसको पैदा करने के लिए जो जरूरत की चीजें हैं वह भी नहीं मिलती हैं। उसके बावजूद भी वह अनाज पैदा करता है और जब अनाज पैदा करता है तो उसका दाम भी नहीं मिलता है। यह प्रश्न उत्तर प्रदेश के किसानों का है, दूसरे प्रदेश के किसानों का भी है। मेरी भी आपसे विनती रहेगी कि इसके लिए सम्य और डेट फिक्स करके पूरी तरह से इस पर चर्चा हो।

**SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR):** Sir, I would not take much time of the House. This is a very urgent matter. Crores and crores of our farmers are in trouble from all over the country. My friend has specifically referred

about Uttar Pradesh.

Similarly, Kerala is also in acute crisis. I am sure, Sir, you are also aware of it.

Therefore, a discussion on this issue should be fixed immediately. Of course, we shall be trying to give the Adjournment Motion because of the importance of the matter. This should not be delayed and the Government should fix time for this immediately.

-----